IKSV MMXVI-XVII 2

बी.ए. पंचम सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर,2016

हिन्दी साहित्य

समयः 3 घण्टे पूर्णांक-70 न्यूनांक 23

टीपः- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. **निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :-** **21**

(अ) नैनन आगे ख्याल घनेरा ।
जेहि कारन जग डौलत भरमै, सो साहेब घट लीन्ह बसेरा ।
का संझा का प्रात सबेरा, जहँ देखूँ तहँ साहेब मेरा ।
अरथ-उरथ बिच लगन लगी है, साहेब घट मं कर लीन डेरा ।
साहेब कबीर एक माला दीन्हा, धरमदास घट ही बिच फेरा ।

अथवा

उंखर विश्वास है के ये समै मं जउन अनुष्ठान होथय तेखर बड़ फायदा होथय । काहे के, संयम मं रहे के कारन, रितु परिवर्तन होये के कारन, आने वाला कष्ट वयाधि से अनुष्ठान करइया बचे रहिथय, दूसर हवन अउ यज्ञ के धुँआ ले हवा सुद्द हो जाथय, जेखर कारन किसम किसम के रोग राई के समाप्ति हो जाथय । खराब हवा ल बने करे खाती हवन सबले बढ़िया उपाय आय । येखरे सेती हमार जुन्ना रिसी मुनी मन येखर बर जादा जोर दिये हैं ।

(ब) गली-गली में साधु रेंगे
संत फुकावौ कान
चोला तरे त झन तरै
नरियर धोती ले काम ।।
जेहर दूसर बर खंधवा कोड़थे
तेहर अपने बोजाथे ।।

अथवा

हमर छत्तीसगढ़ी संस्कृति मँ बात-बात मँ सीख देय के रिवाज हावय ! गाँव के सियान मन हाना जोर-जोर के अपन बात ल कइथें । अउ छोटे उमर वाले मन ला सीख देथें । अगर हमर सियान मन के गोठ ल, ऊँखर सीख ल गाँठ बाँध के धरबो, त हमर बहुत अकन काम ह सरल हो जही । हमन समाज के भीतर रइथन । चार झन के बीच मँ रइथन । संभल के नई चलबो, सियान मन के सीख ल नई गुनबो, त कइसे बनही ।

(स) दू हाथ बढ़ाये आघू, हो जाथे जम्मो काज रे ।
बूता सुरू हो जाथे, जब ले लेथस अनताज रे ।।
जांगर पेरे तौ भुइयाँ म अनपूरना के राज रे ।
माटी सोन्ना होही, पछीना चुचवाही आज रे ।।
देंह जुड़ाही झटकुन, परिही जब जोरहा घाम रे ।।

अथवा

दिन दुकाल ला हाँस के सहिथे, छत्तीसगढ़ के भुँइया हर ।
महतारी मन गरा-धूँका, अँचरा मँ गठिया लेथे ।

2. छत्तीसगढ़ी भाषा की विकास यात्रा पर विचार प्रकट करते हुए छत्तीसगढ़ी भाषा की व्याकरणिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिये । **12**

अथवा

संत परम्परा का उल्लेख करते हुए धर्मदास की काव्य-कला पर प्रकाश डालिये ।

3. छत्तीसगढ़ी निबंध के विकास में लखनलाल गुप्त का योगदान बताइये । **12**

अथवा

विनय पाठक के अवदान पर एक निबन्ध प्रस्तुत लिखिये ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखियेः- **15**

अ- पं. सुन्दरलाल शर्मा का व्यक्तित्व व कृतित्व
ब- लोकनाट्य परम्परा और रामचंद्र देशमुख
स- कपिलनाथ कश्यप एवं छत्तीसगढ़ी साहित्य
द- छत्तीसगढ़ में मनाये जाने वाले दशहरा पर्व की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
इ- मुकुंद कौशल की छत्तीसगढ़ी ग़ज़ल का शिल्प
फ- सीख-सीख के गोठ का उद्देश्य ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये :-(कोई दस) **10**

(i) छत्तीसगढ़ी की दो लोककथाओं के नाम बताइये ।
(ii) छत्तीसगढ़ के प्रथम संत, जिनकी मातृभाषा छत्तीसगढ़ी थी, का नाम बताइये ।
(iii) 'दानलीला' के रचनाकार का नाम बताइये ।
(iv) उस बालिका का नाम बताइये, जो चंदैनी गोंदा के सृजन का कारण बनीं ।
(v) 'हिजगा-पारी' शब्द में कौन सा समास है ?
(vi) 'झटकुन' का हिंदी रूप लिखिये ।
(vii) छत्तीसगढ़ी में 'एखर' शब्द का बहुवचन क्या होगा ?
(viii) 'तँय उठथस सुरुज उथे' कविता के रचनाकार का नाम बताइये ।
(ix) 'हाना' का हिंदी रूप लिखिये ।
(x) धर्मदास के गुरु कौन थे ?
(xi) साहित्य में छत्तीसगढ़ नाम का प्रयोग सबसे पहले किस कृति में हुआ था ?
(xii) 'जंउरिहा' का हिंदी अर्थ लिखिये ।
(xiii) 'निवछावर' शब्द का हिंदी रूप लिखिये ।

xx